Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 7, Petersburg 1875

(*Alliteration, Reim* u. s. w.) Verz. d. Oxf. H. 87, *a*, 1. 207, *a*, 33. 208, *a*, No. 489. 209, *b*, No. 493. 210, *a*, N. 1. — Vgl. अर्थालंकार.

शब्दालोक (शब्द + आ°) m. Titel eines Werkes Hall 59. °रहस्य n. desgl. 39. fg. 59. °विवेक m. desgl. 39.

शब्दिन् (von शब्द) adj. *von Geräusch begleitet* AV. 19,36,3. स्तनितोत्कुष्ट° (°नादिन् die neuere Ausg.) Hariv. 8129.

शब्देन्दुशेखर Titel eines Commentars zur Siddhântakaumudî Colebr. Misc. Ess. 2,13. fg. 41. Hall 137. Verz. d. Oxf. H. 161, *a*, No. 354. Notices of Skt Mss. 202. °दोषोद्धार m. Titel *einer Nachweisung von Fehlern in diesem Werke* 85. — Vgl. बृहच्छब्देन्दुशेखर.

शब्देन्द्रिय (शब्द + इ°) n. *das Organ zur Wahrnehmung der Laute, Ohr* Suçr. 1,313,2.

शब्दोदधि m. *Meer der Worte, Wortschatz* Verz. d. Oxf. H. 171, *a*, 9.

1. शम्, शमीष, शमीधम् P. 7,3,95 und die Erkll. शम्यतु (s. u. 2), शशमे, शशमते 3. sg., अशमिष्ट, अशमिष्टाः, partic. शमित. 1) *sich mühen, eifrig sein, arbeiten;* insbes. von der Thätigkeit beim Cultus. RV. 6,1, 9. इन्द्रे यज्ञेभिः शशमे शमीभिः 3,2. ऋधग्यस्ते सुदानवे धिया मर्तः शशमते 2,4. ऋधगित्था स मर्त्यः शशमे देवतातये 8,90,1. ध्रुवमया ध्रुवमुताशमिष्ठाः 3,29,16. 5,2,7. सुशमि शमीधम् TBr. 3,6,6,4. — 2) *zurichten, zubereiten:* स इदं देवेभ्यो हविः शमीष VS. 1,15. वीतं हविः शमितम्, शमिता यज्ञध्यै 17,57. सूचीभिः शम्यन्तु त्वा 23,33. 37. 40. कस्ते गात्राणि शम्यति 39.42. In den entsprechenden Stellen lesen TS. und Kâṭh. शिम्यन्तु, शिम्यति u. s. w. — 3) partic. शशमान *eifrig bemüht, beschäftigt, fleissig;* namentlich in der Arbeit für die Götter Naigh. 3,14 (अर्चतिकर्मन्). 4,3. Nir. 6, 8 (= शंसमान). RV. 1,85,12. शशमानस्य वा नरः स्वेदस्य । विदा कामस्य वेनतः 86,8. 113,20. 142,2. 3,18,4. 4,2,9.13. अवस्यवः शशमानास उक्थैः 16,15. 51,7. 4,22,8. यज्ञ 23,2.4. सुन्वत्त 31,8. 1,141,10. 8,55,2. — 4,41,3. गव्यं चिदूर्वं नरः शशमाना अप व्रन् 5,29,12. यो वः शर्मी शशमानस्य निन्दात् 42,10. यो वां यज्ञैः शशमानो हविर्दाशति 1,151,7. 2,12, 14. 20,3. 8,55,2. 10,11,5. शंसः शशमानस्य 64,10. 92,7. उत्ते अग्ने शशमानस्य वाजाः (जिहताम्) 142,6. AV. 12,2,10. ये अग्रवः शशमानाः परेयुः 18,2,47. VS. 20,65. — Vgl. κάμνω.

2. शम्, शाम्यति Dhâtup. 26,92 (उपशमे). P. 7,3,74. Vop. 11,3.5. (प्र) शमेत् R. Gorr. 1,8,14. शशाम, अशमत्: im Epos aus metrischen Rücksichten auch med.; शमित्वा und शान्त्वा P. 7,2,56. Vop. 26,208. absol. शमम् und शामम् (angeblich vom caus.) P. 6,4,93, Schol. pass. impers. शम्यते, अशमि P. 7,3,34. Vop. 24,6. partic. शान्त s. bes. *ruhig —, still werden, befriedigt sein; aufhören, sich legen, erlöschen:* भूतान्यशाम्यन् VS. 14,31. इमौ लोकावशाम्यताम् TS. 2,5,8,2. नो न्वेवात्राशमत् *es ist noch nicht zur Ruhe gekommen* Çat. Br. 1,7,4,7. शाम्य मा शुचः MBh. 2,1936. 5,7319. शाम्येत्प्रत्यपकारेण नोपकारेण दुर्जनः Kumâras. 2,40. समत्सरो ऽपि शशाम तेन क्षितिपालकलोकः Ragh. 7,3. Spr. (II) 2026. (I) 2132. Kathâs. 14,51. Prab. 5,14. Bhâg. P. 1,6,36. Bhaṭṭ. 14,106. ब्रह्मर्षी शाम्यन्तौ *beruhigt* MBh. 1,6362. 4,651. R. 4,44,45. शाम्यते MBh. 5,3864. नहि ते जातु शाम्येरन्नृते राज्येन 4678. यदा शाम्यन्ति विप्रुषः Çat. Br. 14,2,2,28. Shadv. Br. 5,10. Çâṅkh. Gṛhj. 6,6. Kauç. 85. 116. शूलम् Suçr. 2,347,1. आक्रन्दितधान Râǵa-Tar. 3,17. न जातु कामः कामानामुपभोगेन शाम्यति Spr. (II) 3241. (I) 4678. विग्रहः Kathâs. 56,96. वैरम् MBh. 14,2509 (med.). पित्तं शर्करया Spr. 3243. वृद्धं रजः Bhaṭṭ. 17, 63. शाम्यन्निमेष 11,31. अस्त्रम् Mârk. P. 63,35. हिमेन हिमं शाम्येदुष्कृतेनेव दुष्कृतम् Râǵa-Tar. 5,400. शेमुश्च पापानि नरेन्द्रसूनोः Hariv. 8404. अशेषाणि घोराणि Mârk. P. 58,72. Pańkar. 4,3,1 (साम्येत् gedr.). दिव्यम् (sc. वैकृतम्) Varâh. Bṛh. S. 46,5.48,84. ब्राह्मणास्त्वनधीयानस्तृणाग्निरिव शाम्यति M. 3,168. तेजः 9,321. तेजांसि च तमांसि च MBh. 13,3038. अग्निमारुतौ Hariv. 95 (med.). 13954 (शाम्यमाने तु समरे पावके mit der neueren Ausg. zu lesen). दवाग्निः Ragh. 2,14. कोपाग्निः Spr. (II) 3422 (med.). शशाम दहनो न पुनः क्रन्दितध्वनिः Kathâs. 16,15. देहदाहः Gît. 7,41. Bhâg. P. 9,5,12.

— caus. 1) शमयति (hier und da auch med. aus metrischen Rücksichten) Dhâtup. 19,70. P. 6,4,92. Vop. 18,24. अशीशमत्; Bildung des pass. P. 6,4,62. 93. Vop. 24,5. partic. शमित (nach P. 7,2,27. Vop. 26,114 und den Lexicographen angeblich auch शान्त). *a*) *beruhigen, stillen, beschwichtigen; zurechtbringen* überh.; *einen Fehler gut machen, placare:* रोगम् AV. 2,3,4. अग्निम् 3,21,8. मन्युम् 7,74,3. VS. S. ५८. शुचम् TS. 5, 1,5,1. Ait. Br. 1,13. 3,36. 6,21. das Feuer शम्यीशमयत् TBr. 1,1,2,11. 6,7. केतिम् 2,1,6. वरुणम् TS. 2,1,9,3. 3,4,1,3. लोकेभ्यः (abl.) 5,4,3, 4. प्राणेभ्य एवास्य शुचं शमयति 6,3,9,1. — चित्तं विक्षिप्तम् Vedântas. (Allah.) No. 41. क्रुद्धं जनार्दनम् । अर्जुनः शमयामास MBh. 3,468. R. Gorr. 2,21,1. Kâm. Nîtis. 12,40. Bhâg. P. 4,30,46. मृगाश्च (boni ominis) शमयन्तः पक्षिणः (mali ominis) R. Gorr. 1,76,11. अथर्वा सृजते घोरमद्भुतं शमयेत्तथा AV. Pariç. in Ind. St. 1,296. पापकृत्याम् MBh. 1,672. ब्रह्मास्त्रेणैव सर्वमशीशमत् 7,8624. उपद्रवम् Kathâs. 115,112. दैवं प्रतिकूलम् Çâk. 7,16. शान्तिभिः Varâh. Bṛh. S. 43,61. दुरितानि 103,13. 104,48. तपः Kumâras. 2,56. तद्वचः MBh. 1,576. अस्त्रमस्त्रेण ebend. und 4,398. Hariv. 14005. अश्मवर्षं वायुं च MBh. 5,2394. यज्ञविप्लवम् Râǵa-Tar. 1,184. विकृतीः Pańkar. 3,13,22. पापम् Mârk. P. 108,29 (med.). कृच्छ्रम् Bhâg. P. 4,30,4. कश्मलम् 3,9,28. भयम् MBh. 5,238 (med.). R. Gorr. 1,76,14. 3, 10,14. दर्पम् MBh. 14,2257. पराजयव्यलीकम् Ragh. 4,87. आधिम् 8,27. संरम्भम् 15,85. प्रकृतिवैराग्यम् 17,55. तृषम् Spr. 2956. दोषान् Mârk. P. 100,17. दुःखम् MBh. 3,72. Kathâs. 118,176. शमिताशेषतद्व्यथ 2,75. विषादम् Bhâg. P. 1,11,1. शोकम् 3,4,23. रोषं समुत्थम् 17,29. क्रोधम् R. 4, 6,1. प्रकोपम् Kâm. Nîtis. 15,22. परिदेवितम् Bhâg. P. 4,17,25. वायुम् Suçr. 1,23,10. भवतापम् Gît. 1,10. परितापम् Çâk. 104. Bhâg. P. 6,9,40. क्लमम् Râǵa-Tar. 1,205. क्रन्दितध्वनिम् 4,296. दुर्वचः Kathâs. 32,90. धात्तम् Khandom. 53. संसारम् Prab. 108,17. बुद्धिं मरणे ऽग्निमिव R. 4, 61,22. बलमुद्धतमग्निमिवाम्भसा 9,78. यथा वह्निं मन्युम् Bhâg. P. 10,89,4. अग्निम् MBh. 1,1136. दावम् 8297. 4,397 (med.). 5,1880. R. 5,87,10. Ṛt. 1,4. Ragh. 7,45. Megh. 54. ad 18. Spr. (II) 2723. (I) 2940. Râǵa-Tar. 4, 125. Bhâg. P. 7,9,25. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7,25, Çl. 3. अशमितनख so v. a. *nicht in Ordnung gehalten, vernachlässigt* Megh. 89, v. l. für अनियमितनख. — *b*) euphemistisch so v. a. *zum Tode bringen; Jmd aus dem Wege räumen, unschädlich machen, vernichten:* प्रजाः पशून् TS. 3,1,2,2. वैनतेयशमितस्य भोगिनः Ragh. 11,59. देवकण्टकम् MBh. 3, 14620. Hariv. 8178 (med.). रात्रसान् MBh. 9,2255. 4,1521. संहरन्तं प्रजाः कालं कालः शमयते पुनः Spr. (II) 1696. *Jmd bezwingen, überwinden:* शमयति गजानन्यान्गन्धद्विपः कलभो ऽपि सन् (I) 5063. पक्षबलम् Ragh. 9,

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007